



झारखंड में बेहतर नहीं रहा पड़ोसी राज्यों के मजबूत दलों का प्रदर्शन, लगातार गिर रहा वोट शेयर पड़ोसी राज्यों के दिग्गज दल नहीं साध पाते झारखंड

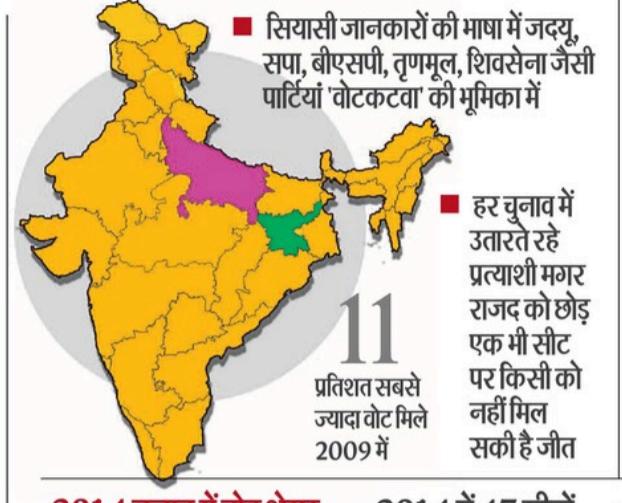
■ नितेश औड़ा

गंभीर। लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, झामुमो और आजसू के अलावा कई राजनीतिक पार्टियां भी भाष्य आजमाते रही हैं। इसमें वैसी पार्टियां शामिल हैं जो झारखंड के पड़ोसी राज्यों में या तो झारखंड के पड़ोसी राज्यों में या तो लोकसभा चुनाव में हार का सामना करता रही है।

इन दिग्गज पार्टियों में बिहार से राजद, जदयू, ब लोजपा, पश्चिम बंगाल की टीएमसी, दिल्ली और पंजाब की आम आदमी पार्टी सहित उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी, महाराष्ट्र की शिवसेना (यूपीटी) शामिल हैं। इसमें राजद को छोड़ दें तो शेष दलों की स्थिति झारखंड में बेहतर नहीं रही है। झारखंड के सियासी जानकार राजद को छोड़ बाकी दलों को वोटकटवा परिपूर्ण देखते हैं।

राज गठन के बाद हुए चार संसदीय चुनावों में ये सभी पार्टियां मैदान में उत्तर रहीं। 2004 के चुनाव में सभी पार्टियों का प्रदर्शन निराशजनक ही रहा। पर उसके बाद के 2009, 2014 और 2019 के चुनाव में इनका वोट शेयर गिरता ही चला गया। किसी भी चुनाव में इन दलों के प्रत्याशी एक भी सीट नहीं जीत सके।

15 सालों में वोट शेयर ही गया आधा: पड़ोसी राज्यों की इन दिग्गज पार्टियों का कुल वोट शेयर 15 सालों में आधा हो गया। 2004 में यह वोट प्रतिशत करीब 10.9 था, जो साल 2019 में इनका वोट शेयर गिरता ही चला गया। किसी भी चुनाव में इन दलों के प्रत्याशी एक भी सीट नहीं जीत सके।



2014 चुनाव में वोट शेयर

झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, झामुमो बनाम पड़ोसी राज्यों की दिग्गज पार्टियां
भाजपा 40.7%
कांग्रेस 13.5%
झामुमो 9.4%
टीएमसी 2.4%
राजद 1.7%
बीएसपी 1.1%
आप 0.7%
जदयू 0.7%
सपा 0.4%
कुल वोट 7%

2014 में 47 सीटों पर उत्तराप्रत्याशी

झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, झामुमो बनाम पड़ोसी राज्यों की दिग्गज पार्टियां
भाजपा 27.5%
कांग्रेस 15%
झामुमो 11.7%
कुल वोट 100% प्रतिशत

2004 चुनाव में वोट शेयर

झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, झामुमो बनाम पड़ोसी राज्यों की दिग्गज पार्टियां
भाजपा 3.5%
जदयू 3.8%
बीएसपी 2.3%
सपा 0.7%
कुल वोट 9.0% प्रतिशत

2004 में 43 सीटों पर उत्तराप्रत्याशी, जीत केवल दोपर

2004 के चुनाव में पड़ोसी राज्यों की पार्टियों में वोटकर राजद का ही प्रदर्शन अच्छा रहा। वह राज राज्य की सीटों पर लगातार रहा। दोनों सीटों पर पट्टी चुनाव जीती। इसके बाद बीएसपी 14, जदयू 5, सपा 6, टीएमसी 2 और शिवसेना ने एक सीट पर प्रत्याशी दिया। हालांकि सभी पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा।

2009 चुनाव में वोट शेयर

झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, झामुमो बनाम पड़ोसी राज्यों की दिग्गज पार्टियां
भाजपा 5.3%
जदयू 3.5%
लोजपा 0.4%
बीएसपी 0.2%
सपा 0.2%
कुल वोट 10.1% प्रतिशत

2009 में 34 सीटों पर उत्तराप्रत्याशी, सभी में मिली हार

2009 के चुनाव में सभी पार्टियों ने अलग-अलग कुल 34 सीटों पर प्रत्याशी उत्तराधीन की। इसमें राजद 6, बीएसपी 14, जदयू 2, लोजपा 3, सपा 6, टीएमसी 2 और शिवसेना ने एक सीट पर प्रत्याशी दिया। हालांकि सभी पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा।

2019 चुनाव में वोट शेयर

झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, झामुमो बनाम पड़ोसी राज्यों की दिग्गज पार्टियां
भाजपा 5.1%
कांग्रेस 15.8%
झामुमो 11.7%
कुल वोट 4.7% प्रतिशत

2019 में 23 सीटों पर उत्तराप्रत्याशी

झारखंड में भाजपा, कांग्रेस, झामुमो बनाम पड़ोसी राज्यों की दिग्गज पार्टियां
भाजपा 23 सीटों पर प्रत्याशी
कांग्रेस 22 सीटों पर प्रत्याशी
झामुमो 22 सीटों पर प्रत्याशी
कुल वोट 15.1% प्रतिशत

2019 में 23 सीटों पर उत्तराप्रत्याशी

2019 में सभी पार्टियों ने अलग-अलग कुल 23 सीटों पर प्रत्याशी उत्तराधीन की। इसमें बीएसपी 14, टीएमसी 6, राजद 2 और समाजवादी पार्टी 1 की विपक्षी प्रत्याशी दिया। सभी पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा।

पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी ने थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली। पंजाब से आप के पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी ने कांग्रेस का हाथ लिया है। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और की मौजूदी में धर्मवीर गांधी ने पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया। पार्टी उन्हें चुनाव लाया से भाजपा उत्तराधीन पर प्रतिवाद करते थे। इसमें बीएसपी 14, टीएमसी 6, बनाम 2, राजद 2 और समाजवादी पार्टी 1 के एक सीट पर प्रत्याशी दिया। सभी पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा।

पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी ने थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली। पंजाब से आप के पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी ने कांग्रेस का हाथ लिया है। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और की मौजूदी में धर्मवीर गांधी ने पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया। पार्टी उन्हें चुनाव लाया से भाजपा उत्तराधीन पर प्रतिवाद करते थे। इसमें बीएसपी 14, टीएमसी 6, बनाम 2, राजद 2 और समाजवादी पार्टी 1 के एक सीट पर प्रत्याशी दिया। सभी पार्टियों को करारी हार का सामना करना पड़ा।

पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी ने थामा कांग्रेस का हाथ

नई दिल्ली। पंजाब से आप के पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी ने कांग्रेस का हाथ लिया है। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और की मौजूदी में धर्मवीर गांधी ने पार्टी मुख्यालय में क

सियासी बहिष्कार

मालदीव के बाद बांगलादेश में भी भारत के बहिष्कार का जो अभियान कुछ लोग चला है है, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। ऐसे लोगों का न तो अपने देश का इतिहास मालूम है और न भारत के योगदान का उन्हें कोई ज्ञान है। मालदीव के सत्ताधारी नेताओं और बांगलादेश के कुछ विपक्षी नेताओं को अपनी स्वार्थपूर्ण राजनीति के अलावा कुछ भी नहीं सूचा रखा है। माले के अब बाद ढाका में भी भारत विरोध की राजनीति का गरम होना होते सोचने पर बार-बार विवाद करता है।

विपक्षी बांगलादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) लंबे समय से नाराजिकों को भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। दरअसल, इस प्रमुख विपक्षी दल को लगता है कि भारत सत्तरूढ़ अवामी लीग का समर्थक है और अवामी लीग की जीत में भारत की बड़ी भूमिका है। यह दरअसल, बांगलादेश के विपक्षी दल की एक बड़ी गलतफहमी है कि भारत सरकार बांगलादेश में हस्तक्षेप कर रही है। हाँ, यह जरूर है कि बांगलादेश की तरकी में भारत ने यथासंभव सहयोग दिया है और ऐसे समय में बांगलादेश में जो भी सरकार होगी, वह स्वाभाविक रूप से मजबूत होगी। बांगलादेश के विपक्षी नेता शायद भूल गए हैं कि जब बांगलादेश में सैन्य प्रभुत्व बढ़ा था, तब भी भारत ने वहां की राजनीति में हस्तक्षेप नहीं किया था।

बहरहाल, बांगलादेश की सरकार या प्रधानमंत्री ने भारत का बचाव किया है और विपक्षीयों के दोहरे रवैये की निंदा की है। दरअसल, बांगलादेश अगर चाहे भी, तो भारत का बहिष्कार नहीं कर सकता, क्योंकि वहां भारतीय उत्पादों की भर्तमार है। भारतीय उत्पादों का विरोध व्यावहारिक और सैद्धांतिक, दोनों ही रूपों में अनुचित है। फिर भी न जाने कैसा सियासी लाभ सोचते हुए बीएनपी के विरुद्ध नेता कबारे रिजिवी ने पिछले दिनों अपने कंधे पर घणा हुआ भारतीय शॉपल उत्तर फेंका। भारतीय-कश्मीरी शॉपल को फेंकने से पहले उन्होंने वह नहीं सोचा कि वह किस तरह की लड़ाई को बढ़ावा दे किया है और व्यापक है? विपक्ष के इस अभियान के जबाबद में भारतीय शॉपल की चुनौती दी है कि जिस दिन आप (बीएनपी) कावलय के समने अपनी पत्तियों की तमाम भारतीय साड़ियों को जला देंगे, उस दिन मुझे विश्वास हो जाएगा कि आप बास्तव में भारतीय सामान का बहिष्कार कर रहे हैं। बेशक, भारतीय साड़ियों के प्रति बांगलादेश में स्वाभाविक लगाव है, इससे बचा नहीं जा सकता, मगर बहिष्कार के लिए किसी को भी किसी तरह से उक्साना सही नहीं है। वहां सत्ता पक्ष व विपक्ष, दोनों को समझदारी का परिचय देना चाहिए, ताकि भारतीयों की भावना को किसी भी प्रकार से ठेस न पहुंचे।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके। किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां भारत कावलय राजनीति का विषय न बने। मालदीव की तरह नहीं होना चाहिए कि आप इंडिया आउट का नाम लगाते रहें और आपको भारत से उत्तर आर्थिक मदद भी चाहिए।

मालदीव के विपक्षीयों ने यांत्रिक विवाद के विपक्षी नेता, दोनों

को तार्किक ढंग से अपनी शिकायत सामने रखी चाहिए, ताकि

शालीनत के दायरे में भारत पड़ोसी धर्म के अनुकूल सुधार कर सके।

किसी अन्य भारत विरोधी देश के इसारे पर फैसला करने के बजाय इन देशों को अपना अतीत, वर्तमान और भविष्य देखना चाहिए। संबंधों में हल्कापन नहीं आए। बांगलादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भारीदार है। ऐसे में, वहां

परमात्मा से मिलने के लिए तुम्हें अपने अंदर आना होगा

परमात्मा को खोजने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। कभी धर्म स्थलों में, तो कभी वनों में, तो कभी कहीं। कोई जगह ऐसी नहीं होती, जहां हम इसे तलाश नहीं करते। जबकि परमात्मा से मिलने के लिए हमें अपने अंदर आना होता है

अध्यात्म



श्री श्री परमहंस योगानन्द

वास करती है?

सदा स्मरण रखें, आपके परमपिता आपको अशार्थ रूप से प्रेम करते हैं। उन्होंने आपको अपने से दूर जाने की अथवा अपने समीप आने की स्वतंत्रता दी है, इसलिए वे आपके पास आने से पहले उनका प्रेम पाने के लिए आपकी इच्छा की अधिव्यक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

एक बार जब मैं ध्यान कर रहा था, मैंने उनकी वाणी अति मंद स्वर में सुनी : 'तुम कहते हो मैं दूर हूं, लेकिन तुम अंदर नहीं आ।' इसलिए, तुम कहते हो मैं दूर हूं। मैं सदा अंदर हूं, अंदर आओ और तुम मुझे देख पाओगे। मैं सदा वहां पर हूं, तुम्हारा स्वयंकर करने के लिए तैयार।'

आत्माचिक्षा मार्ग में गहन सच्चाई की अवश्यकता है। निष्पक्षता में ब्रह्म का जन्म होता है। जीवन के लिए खोकरते हुए मैंने यह अनुभव किया है कि समरत मानवीय प्रेम के द्वारा मेरी देखभाल करने वाला कोई और था। ईश्वर ने मुझसे माता के रूप में, पिता के रूप में, और मित्रों के रूप में प्रेम

रखा है, और भीले-भाले बच्चों के समक्ष प्रकट किया है। ईश्वर के समाने हमारा मानवीय ज्ञान कुछ भी नहीं है। ईश्वर को मनने का एकमात्र तरीका है कि वे प्रेम वे हमें देते हैं, वही असत् प्रेम हमारे उनको अपित करते। जिससे वे हमारे प्रेम के समक्ष जुक जाएं।

अंत में तो प्रत्येक व्यक्ति मोक्ष प्राप्त करेगा, परंतु जो मार्ग में रुक जाते हैं, वे उदासीनता की खार्ड में गिर जाते हैं। उदासीनता मृत्यु को इस बात की अनुभूति करने से रोकती है कि अभी, इसी समय, ईश्वर की खोज करना कितना महत्वपूर्ण है। यह हमारा विशाल धूमाता हुआ ग्रह, हमारा मानवीय व्यक्तित्व, हमें केवल इसलिए नहीं दिए थे कि हम कुछ समय तक जीवित रह सकें और फिर शून्यता में लुप्त हो जाएं। जबकि, इसलिए दिए गए हैं कि हम यह प्रनव कर सकें कि इसका उद्देश्य क्या है। जीवन के उद्देश्य को समझे बिना जीना मूर्खता है। समय की बचती है। जीवन का रहस्य हमें धेर हुआ है, इसका समाधान ढूँढ़ने के लिए हमें बुद्धि दी गई थी।

स्थानीय प्रेम के लिए खोकरते हुए मैंने यह अनुभव किया है कि समरत मानवीय प्रेम के द्वारा मेरी देखभाल करने वाला कोई और था। ईश्वर ने मुझसे माता के रूप में, पिता के रूप में, और मित्रों के रूप में प्रेम



किया है। मैंने सभी मित्रों के पीछे उस एकमात्र मित्र को खोज लिया है, उस एक मात्र प्रेमी को, जिसको मैं अब आप सबके चेहरों में चमकते देखता हूं। वह मित्र मुझे

कभी निराश नहीं करता। प्रत्येक वस्तु के पीछे ईश्वर ही है। 'अपने पिता और अपनी माता का सम्मान करें,' परंतु अपने प्रभु, ईश्वर को अपने

संपूर्ण हृदय से और अपनी संपूर्ण आत्मा से, और अपनी संपूर्ण शक्ति से प्रेम करें।' आपको उके साथ अत्रित्री को विकसित करने, तथा अब और अधिक समय व्यव्यहृत करने के महत्व को समझना चाहिए। जब आप सो जाते हैं, तो आप कैसे जानते हैं कि आप जारीगे अथवा नहीं? एक-एक करके हम इस पृथ्वी को छोड़ते हैं। परंतु इसमें दुख मनन की काई बात नहीं है। जब हमारी मृत्यु होती है, हमें इस पृथ्वी पर पुनः जन्म लेना आवश्यक है, और जहां से हमने इस जग्म को छोड़ा, वहां से दूसरा जीवन आंभ करते हैं।

मैं जीवन और मृत्यु को सागर की लहरों के ऊपर-चाहावा की भाँति देखता हूं। जन्म के समय वह निन्द्रा की गोली में डूँढ़ता जाता है। मैंने इसका अनुभव किया है। मैं जीवन में हमारी चेतना से समाप्त को लुप्त कर दिया जाता है, ताकि हम एक समझ सकें कि भौतिक जगत वास्तविक नहीं है। निद्रा का यह पाठ हमें भव्यती करने के लिए उत्तम साधन है। प्रत्येक जीवन की खाली काँच करने के लिए हमें बन प्रभु को छोड़ते हैं। और उनके प्रेम के अतिरिक्त किसी और वस्तु से कौशली प्राप्त होती है। उनकी चेतना ही सकती है। जीवन की खाली काँच करने के लिए हमें बन प्रभु की ओर आपने प्राप्ति की जीवन की खाली काँच करने के लिए होती है। जीवन के लिए उत्तम साधन है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने में सहायता करने के लिए घटी है।

जीवन के लिए हमसे प्रेम करते हैं। और सभी असत्य सत्य अप्रतीत होते हैं, और सभी सत्य असत्य करने म

जीपीटी-5 में ज्यादा सटीक तरीके से काम करने की संभावना

ओपनएआई अपने चैटजीपीटी के पांचवें वर्जन जीपीटी-5 की लॉन्चिंग की तैयारी कर रहा है। हाल ही में ओपनएआई को सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि उनकी कंपनी जल्द ही नया मॉडल जारी करेगी। इससे अटकले तेज हो गई हैं कि जीपीटी-5 की लॉन्चिंग जून से अगस्त के बीच हो सकती है। इस वर्जन में मल्टीमॉडल क्षमताओं को बढ़ाने की खुशी।

अपनेआई की जरूरत इम्प्रिंट : कंपनी ने जीपीटी-4 का नया मॉडल 2023 में जारी किया था। उस वर्क कहा गया था कि वह जीपीटी-3 के विपरीत टेक्स्ट और इमेज दोनों को स्वीकार करने में सक्षम है। वहीं इसमें

मल्टीमॉडल सुविधाएं होने से यूजर को परेशानी नहीं होगी। लेकिन इसमाल के साथ ही अलग-अलग परिणाम आने लगे। जीपीटी-4 अत्यधिक्वशासन से गलत जारी करेंगे। साथ ही इस पर साहित्यिक चोरी और कॉपीराइट उल्लंघन का भी मामला सामने आया। हालांकि, समय के साथ कंपनी ने कुछ सुधार किए और पूर्वाग्रह, मतिभ्रम और प्रासारणिक समझ जैसी तात्पुरताओं का समाधान किया। हालांकि, नए वर्जन को इन सबसे से अलग नाम जारी रखा है। यह जल्द उपलब्ध होगा।

mint

वैज्ञानिक कैसर होने का पता वर्ष पहले लगा सकेंगे

 सोहित



लाख कोशिकाओं के नमूनों पर हो रहा अध्ययन

10-20 वर्ष पूर्व ही शरीर में हो रहे बदलाव जान सकेंगे

लक्षण दिखने से बहुत पहले इस बात का पता लगता है। कुछ मालूमों में कैसर कोशिकाओं के विकसित होने में 10 से 20 वर्ष तक का समय लग जाता है। कैसर के पनपने में इतना लंबा वक्त शोधाथियों को एक भौमा देता है। कैबिज विश्वविद्यालय के अंदरीन कैसर इंस्टीट्यूट में इस संबंध में अध्ययन किया जा रहा है। इन नमूनों से यह जानने में मदद मिल रही है कि वह कैबिज की विविधता में कितना कारगर साबित हो सकता है।

तमिलनाडु में छिपकली की नई प्रजाति 'वानगॉग' मिली



वर्ष 2022 में कर ली गई थी पर इसके बारे में जानकारी अब हासिल की जा सकी है। वैज्ञानिकों ने शोध के हवाले से कहा है कि जब तक हम कोई वानगॉग खाना नहीं देते हैं तो वह अपने विशेष गोंदों को प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस छिपकली की खोज

चेन्नई, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने तमिलनाडु के दक्षिण पश्चिमी घाट में छिपकली की एक नई प्रजाति की खोज की है। शोधकर्ताओं ने इसका नाम वानगॉग रखा है। शोध में पता चलता है कि इस प्रजाति के नकारात्मक और अग्रभागीली और पीठ पर हल्की रंग के ढब्बे होते हैं। पांच की-भी प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने यह जानकारी अपने विशेष गोंदों को प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस छिपकली की खोज

वर्ष 2022 में कर ली गई थी पर इसके बारे में जानकारी अब हासिल की जा सकी है। वैज्ञानिकों ने शोध के हवाले से कहा है कि जब तक हम कोई वानगॉग खाना नहीं देते हैं तो वह अपने विशेष गोंदों को प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने यह जानकारी अपने विशेष गोंदों को प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस छिपकली की खोज

तकनीक 30s

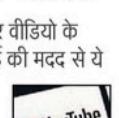
हाट्सेप में लॉक चैट्स फीचर जल्द

हाट्सेप लॉक चैट्स पर काम कर रहा है। इसकी मदद से यूजर चैट लिस्ट में परसनल चेट को लॉक कर सकते हैं। इसके अलावा सिफेट को लिंक डिलाइस को अपने कर सकते हैं। अब इस सुधार को लिंक डिलाइस को तारीख की तौरपक्षी रूप से सुधार होने की संभावना है। कंपनी को उम्मीद है कि जल्द ही वीटा यूजर के लिए रोलाउट किया जाएगा। हालांकि, इस फीचर को आप में एक साल लग सकता है। यह वॉयस मैसेज के लिए भी एडवांस फीचर जोड़ने की तैयारी कर रहा है।



म्यूजिक और पॉडकास्ट एक ही एप में दिखेंगे

गूगल पॉडकास्ट दो अप्रैल के बाद बंद हो जाएगा। गूगल के मुताबिक, पॉडकास्ट के साथ सब्सक्रिप्शन लेने वालों को यूट्यूब म्यूजिक और पॉडकास्ट एक ही एप में देखने की मिलेंगी। अपनी कंपनी में इसकी शुरूआत हो चुकी है और अन्य देशों में भी इसे जल्द ही जारी किया जाएगा। बता दें कि गूगल पॉडकास्ट एप को 50 करोड़ से अधिक लोगों ने डाउनलोड किया है। पॉडकास्ट के फीचर को धीरे-धीरे यूट्यूब म्यूजिक के साथ इंटीग्रेट करना शुरू कर दिया गया है।



फेसबुक मैसेंजर यूजर के लिए एडिट फीचर पेश

मेटा ने फेसबुक मैसेंजर यूजर के लिए एडिट फीचर पेश किया है। इस फीचर की मदद से 15 मिनट तक भेजे गए मैसेज को एडिट कर सकते हैं। अगर रिसीवर आप उसे एडिट करते हैं तो उसके पास मूल मैसेज ही रहेगा। इसका इस्तेमाल एंड्रॉइड और आईओएस यूजर कर सकते हैं। सबसे पहले मैसेज रेटेंसन

कैसे हुई घोषणा

पिछले दिनों ओपनएआई वैटजीपीटी के नियमों में सर्व इंजन बंग और डैक्टोडगो एवं एक बॉग क्रिएटिव किया, जिसमें लिखा था कि जीपीटी 4 को अपेक्षित करते हुए एक नया मॉडल रिलीज करने की तैयारी है। इसे जीपीटी-5 कहा गया। हालांकि, समय के साथ कंपनी ने कुछ सुधार किए और पूर्वाग्रह, मतिभ्रम और प्रासारणिक समझ जैसी तात्पुरताओं का समाधान किया। हालांकि, नए वर्जन को इन सबसे से अलग नाम जारी रखा है। यह जल्द उपलब्ध होगा।



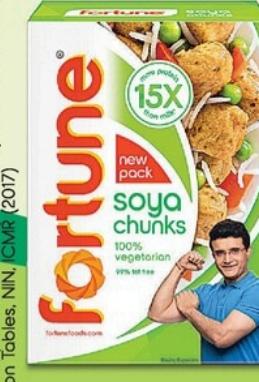
यह होगा नए मॉडल में खास

जीपीटी-5 में मल्टीमॉडल क्षमताओं को बढ़ाने की खुशी होने के आसार हैं। इसके जारीए नए मॉडल में तेजी आएगी। अपने कार्यों को सटीक तरीके से करने में सक्षम होगा। जैसे वाक्यों को पूरा करना, कॉड को पढ़ना, चेटवॉट्स शामिल है।

ओपनएआई के नए मॉडल की बढ़ती गई मांग

मॉडल	वर्ष	इतनी बार ईस्टीक जानकारियां
जीपीटी-1	2018	11.7 करोड़
जीपीटी-2	2019	1.5 अरब
जीपीटी-3	2020	175 अरब
जीपीटी-4	2023	1 लाख करोड़ (संभावना)
जीपीटी-5	2024	1.5 लाख करोड़ से अधिक (आसार)

Source: Indian Food Composition Tables, NIN, Composited protein of milk (Cow Milk) (2017)



दूध से 15x ज्यादा प्रीवीन

fortune soya chunks

डिलीवर किया जा सकता। चीन की रोक्ट बैन में चीन : बीजिंग। चीन में रोक्ट के जरिये सामान डिलीवर करने वाली सेवा जल्द शुरू होगी। इससे 10 टन तक का सामान

कई कंपनियों से मिलेगी प्रतिस्पर्धा

जीपीटी-4 को लाते समय ओपनएआई को गूलाल मॉडल क्षमताओं को तोड़ी एवं रोक्ट के जरिये सामान डिलीवर करने वाली सेवा जल्द शुरू होगी। इससे 10 टन तक का सामान

FORM NO. 22
[See Regulation 37(1)]

RECOVERY PROCEEDING No. 238 of 2015

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER IN THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JHARKHAND AT RANCHI

Housing and Urban Development Corporation Ltd (HUDCO) having its regional office at Shyamali Colony, TACD Building, Doranda, Ranchi-834002, Jharkhand

To,

- (1). M/s Dreams Consultant Private Limited, Kadru Main Road, Opposite Nath Hospital, Kadru, Ranchi - 834002 and also at D-21, Jawan Bhawan, Main Road, Distt - Ranchi, PIN -834001.
- (2). Shri Manish Kumar alias Shri Manish Kumar Munda S/o Shri Bhim Munda, Director, R/o - Opposite Nath Hospital, Main Road, Kadru, P.S.- Argora, Ranchi -834002
- (3). Smt Shashi Kalu Devi W/o Shri Bhim Munda, R/o - Opposite Nath Hospital, Main Road, Kadru, P.S. - Argora, Ranchi -834002
- (4). Shri Bhim Munda S/o Late Shiv Charan Munda, R/o - Opposite Nath Hospital, Main Road, Kadru, P.S. - Argora, Ranchi -834002
- (5). Gautam Construction and Developers Pvt Ltd, At Gautam Niwas, Jai Prakash Nagar, Booty Road, Bariatu, Distt - Ranchi through its Managing Director
- (6). Smt Renu Singh R/o Gautam Niwas, Jai Prakash Nagar, Booty Road, Bariatu, Distt - Ranchi through Managing Director
- (7). Shri Manish Kumar Munda S/o Shri Bhim Munda, R/o - Opposite Nath Hospital, Main Road, Kadru, P.S. - Argora, Ranchi -834002

(Deleted vide order dated 20.01.2011)

- (1). Whereas you have failed to pay the sum of Rs. 18,93,80,047.00 (Rupees Eighteen Crore Ninety Three Lakh Eighty Thousand and Forty Seven Only) payable by you in respect of Recovery Certificate in O.A. Case No. 121 of 2010 issued by the Presiding Officer, Debts Recovery Tribunal, Ranchi along with the interest and costs payable, as per the certificate.
- (2). And whereas the undersigned has ordered the sale of the attached property mentioned in the Schedule below in satisfaction of the said certificate.
- (3). And whereas as on the 14.03.2024 there will be due there under a sum of Rs. 18,93,80,047.00 (Rupees Eighteen Crore Ninety Three Lakh Eighty Thousand and Forty Seven Only) along with pendentile and future interest @ 10% per annum with quarterly rests from 15.07.2010 till full and final realization of the claim besides cost of Rs. 1,50,000/- (Rupees One Lakh Fifty Thousand Only), as per the certificate.
- (4). Notice is hereby given that, in the absence of any order of postponement, the said property shall be sold by e-auction and bidding shall take place through "Online Electronic Bidding" through the website <https://drtauctiontiger.net> of M/s E-Procurement Technologies Ltd. (Auction Tiger) on 16.05.2024 between 11:00 AM to 12:00 Noon with extension of 5 minutes duration after 12 noon if required.

For further details contact : Office of the Recovery